143

MASA–04

December – Examination 2020

M.A. (Previous) Examination

SANSKRIT

भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण

Paper : MASA-04

*Time : **2** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1. (i) काव्य के उत्कर्ष के हेतु कितने हैं ? उनके नाम लिखिये।

   (ii) शब्दशक्तियों के नाम लिखिए।

   (iii) नाट्यशास्त्र में किस वेद से क्या लिया गया है ?

   (iv) नाट्यशाला कितने प्रकार की कही गई है ? उनके नाम लिखिए।

(v) ध्वनि सम्प्रदाय में भट्टलोल्लट किस वाद से सम्बन्धित है ?

(vi) महाभाष्य में व्याकरण अध्ययन के मुख्य प्रयोजनों के नाम लिखिए।

(vii) वाक्यपदीयम् में शब्दार्थ सम्बन्ध को नित्य या अनित्य दोनों में क्या माना गया है ?

(viii) कारक प्रकरण में प्रातिपदिकार्थ की परिभाषा क्या है ?

खण्ड—ब **4×16=64**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(अ) चतुर्वर्गफलप्राप्तिः सुखादल्पधियामपि।
काव्यादेव यतस्तेन तत्स्वरूपं निरूप्यते॥

(ब) लक्षणोपास्यते यस्य कृते तत्तु प्रयोजनम्।
यदा प्रत्याय्यते सा स्याद् व्यञ्जना लक्षणाश्रया॥

3. साहित्य दर्पण के अनुसार 'रस' की व्याख्या कीजिए।

4. दुःखार्त्तानां श्रमार्तानां शोकार्त्तानां तपस्विनाम्।
विश्रान्तिजननं काले नाट्यमेतद् भविष्यति॥
सप्रसंग इस कारिका की व्याख्या कीजिए।

5. आचार्य भामह के अनुसार काव्य दोषों का वर्णन कीजिये।

6. भावयति प्रयोग की सिद्धि सूत्रोल्लेखपूर्वक कीजिए।

7. अनादिनिधनं ब्रह्म शब्द तत्त्वं यदक्षरम्।
विवर्ततेऽर्थभावेन प्रक्रिया जगतो यतः॥
उक्त कारिका की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

8. कर्त्तुरीप्सितं कर्म की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

9. 'अभिज्ञावचने लृट्' इसकी सोदाहरण व्याख्या कीजिए।